जगजीवन साहेब की शब्दावली

[दूसरा भाग]

जिस में

उन महात्मा के अति उत्तम शब्द–३० बिरह और प्रेम अंग के, ६३ उपदेश के, २४ भेद के, १७ साध महिमा और असाध की रहनी के, ८ आरती के, ६ मंगल के, ३ सावन व हिंडोला के, ७ बसंत के, २९ होली के, और १८० मिश्रित अंग के छपे हैं, और शिष्यों के नाम ५ शिक्षा-पत्र और कुछ साखियाँ भी दी हुई हैं।

इलाहाबाद

बेलवेडियर स्टीम प्रिंटिंग वर्क्स में प्रकाशित हुई।

सन् १९१

सफ़हा १४२] [दाम ॥ –)

Printed at the Belvedere [illegible] Works, Allahabad, by E. Hall.